दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, रविवार 05 दिसंबर 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-04, अंक- 68

महत्वपूर्ण एवं खास

भारतीय नौसेना के उत्कृष्ट योगदान गौरवान्वित करने वाले : मोदी

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नौसेना दिवस पर बल के कर्मियों के उत्कृष्ट पराक्रम और पेशेवराना अंदाज की सराहना की। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, 'नौसना दिवस की बधाई। हमें भारतीय नौसेना के उत्कृष्ट योगदानों पर गर्व है। हमारी नौसेना का उसके पेशेवराना अंदाज और अदम्य पराक्रम के लिए सर्वत्र सम्मान किया जाता है। नौसेना के हमारे कर्मी प्राकृतिक आपदा जैसे संकटों की घड़ी में भी हमेशा अग्रणी भूमिका निभाते हैं।ज भारतीय नौसेना दिवस प्रत्येक वर्ष चार दिसंबर को मनाया जाता है। यह 1971 की जंग में भारतीय नौसेना की पाकिस्तानी नौसेना पर जीत की याद में मनाया जाता है।

नवनिर्वाचित मुखिया की गोली मारकर हत्या

जमुई (आरएनएस)। बिहार के जमुई जिले में अलीगंज प्रखंड के एक नवनिर्वाचित मुखिया की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी और आराम से फरार हो गए। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इधर, घटना से आक्रोशित लोगों ने जमकर हंगामा किया और दो पुलिस वाहनों में आग लगा दी। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि दरखा पंचायत के नवनिर्वाचित मुखिया जयप्रकाश महतो की शुक्रवार की शाम एक सैलून से निकलकर घर लौट रहे थे कि बालडा मोड के पास पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। आनन-फानन में घायल अवस्था में उन्हें नवादा ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही लोग आक्रोशित हो गए और सिकंदरा- नवादा सड़क को दरखा मोड़ के पास जाम कर प्रदर्शन करने लगे। इस क्रम में जब पुलिस लोगों को समझाने पहुंची तब लोग और आक्रोशित हो गए और पुलिस पर पथराव प्रारंभ कर दिया इस घटना में तीन पुलिसकर्मियों को चोटिल होने की सूचना है। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस के दो वाहनों को आग के हवाले कर दिया, जबकि तीसरे वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया।

अनियंत्रित स्कॉर्पियो मकान में घुसी, पिता, पुत्री की मौत

सीवान (आरएनएस)। बिहार के सीवान जिले के नौतन थाना क्षेत्र में शनिवार को एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो के सड़क के किनारे एक घर में घुस जाने से पिता और पुत्री की मौत हो गई जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना के बाद लोगों ने स्कॉर्पियो चालक को पकड़ कर पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि नौतन-कुचायकोट रोड में शनिवार को तेज रफ्तार स्कार्पियो अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे एक मकान में अंदर तक घुस गई। इस हादसे में मकान मालिक धर्मेंद्र प्रसाद और उनकी दो वर्षीय पुत्री आराध्या की मौत घटनास्थल पर हो गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में अराध्या की मां और एक अन्य पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गई है। उन्होंने बताया कि घायल अवस्था में मां और पुत्री को इलाज के लिए एक अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है, जहां प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों को गोरखपुर रेफर कर दिया गया है।

कंगना रनौत ने ब्रज के मंदिरों में टेका माथा

मथुरा (आरएनएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने शनिवार को ब्रज के मंदिरों में मत्था टेका। वृंदावन में बांकेबिहारी जी के दर्शन करने के बाद गोकुल में चिंताहरण महादेव मंदिर में अभिषेक किया। इसके बाद वह गोवर्धन में मुखारबिंद मंदिर में दर्शन करने पहुंची। विरोधियों पर यहां भी वह हमलावर रहीं। मीडिया से बात करते हुए कंगना ने कहा कि जो लोग चोर हैं उन लोगों को मेरी बातें अच्छी नहीं लगती है, जो लोग राष्ट्रवादी हैं राष्ट्र की बात करते हैं, उन लोगों को मेरी कोई भी बात बुरी नहीं लगती है। यूपी विधान सभा चुनाव 2022 के चुनाव में भाजपा के लिए कैंपेनिंग पर कहा कि मैं किसी भी पार्टी से जुड़ी हुई नहीं हूं, जो राष्ट्र की बात करेगा, मैं उसके लिए कैंपेनिंग करूंगी। किसान आंदोलन कहा कि मैंने कभी भी माफी नहीं मांगी है, आखिरकार में किस लिए माफी मांगू, क्या किसानों के हित में बात करने के लिए माफी मांगू, खुद पंजाब और हिमाचल में मेरे संबंध हैं, में खुद चंडीगढ़ में पढ़ी हूं, इस तरह की बातें न फैलाएं।

चक्रवात 'जवाद' के रविवार को पुरी पहुंचने से पहले कमजोर होने का अनुमान

नईदिल्ली (आरएनएस)। चक्रवाती तूफान 'जवाद' के ओडिशा के पुरी में रविवार को दस्तक देने से पहले कमजोर होकर गहरे दबाव में बदलने की संभावना है। यह तूफान फिलहाल पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एक बयान में बताया कि शनिवार को सुबह पांच बजकर 30 मिनट पर चक्रवाती तूफान आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम के दक्षिण पूर्व से 230 किलोमीटर और ओडिशा के पुरी के दक्षिण-दक्षिण पूर्व से 410 किलोमीटर दूर पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी पर केंद्रित है।

विभाग ने बताया कि इसके कमजोर होकर अगले 12 घंटे में उत्तर और उत्तर-उत्तर पश्चिम की तरफ ओडिशा की ओर बढ़ने तथा पुरी के निकट और आसपास पांच दिसंबर को दोपहर में गहरे दबाव के रूप में पहुंचने का अनुमान है। वहीं इसके बाद तूफान के और कमजोर होकर आगे उत्तर उत्तर पूर्व की तरफ ओडिशा तट से पश्चिम बंगाल तट की तरफ बढ़ने का अनुमान है।

इस चक्रवाती तूफान का नाम 'जवाद' सऊदी अरब ने प्रस्तावित किया है। विभाग ने बताया कि 30 नवंबर को अंडमान सागर के ऊपर निम्न दबाव का क्षेत्र बना था। दो दिसंबर को यह दबाव में बदल गया और इसके बाद यह शुक्रवार सुबह गहरे दबाव में तथा शुक्रवार दोपहर को यह चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया।

जम्मू कश्मीर में अगले दो दिन तक बर्फबारी होने के आसार

श्रीनगर (आरएनएस)। मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में अगले दो दिन तक हल्की से भारी बर्फबारी का अनुमान जताया है। घाटी में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान में वृद्धि देखी गई। मौसम विभाग की ओर से बताया गया कि शनिवार रात से बर्फबारी शुरू हो जाएगी और धीरे-धीरे बढ़ते हुए रविवार को तेज होगी। अधिकारियों ने कहा कि कश्मीर के मैदानी इलाकों में हल्की (दो से तीन इंच) बर्फबारी हो सकती है जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में मध्यम (छह से सात इंच) बर्फबारी होने के आसार हैं।

उन्होंने कहा कि ऊंचाई वाली कुछ जगहों पर भारी बर्फबारी भी हो सकती है। जम्मू क्षेत्र के अधिकांश इलाकों में हल्की से भारी बारिश होने का अंदेशा है। अधिकारियों ने कहा कि बारिश के कारण सदना टॉप, जोजिला, सिंथन टॉप, मुगल रोड और रामबन-बनिहाल जैसे दर्रों पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो सकता है।

इससे रविवार को बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। इस बीच शुक्रवार को घाटी के ज्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान में वृद्धि देखी गई।

श्रीनगर में शुक्रवार रात को तापमान शून्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया जो कि पिछली रात से 2.4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से दो डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया जो कि 4.1 डिग्री सेल्सियस से अधिक था।

सरकार से बातचीत के लिए संयुक्त किसान मोर्चा ने तय किए 5 नाम, सात दिसंबर को फिर होगी बैठक

नई दिल्ली (आरएनएस)। संयुक्त किसान मोर्चा ने भारत सरकार से बातचीत के लिए 5 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। यह समिति केंद्र सरकार से बात करने के लिए एक अधिकृत निकाय होगी। किसान आंदोलन के भविष्य की राह तय करने को सिंघु बॉर्डर पर शनिवार को हुई संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक के बाद किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि भारत सरकार से बात करने के लिए 5 सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। सरकार से बात करने के लिए यह अधिकृत बॉडी होगी। इस कमेटी में बलबीर सिंह राजेवाल, शिव कुमार कक्का, गुरनाम सिंह चढूनी, युद्धवीर सिंह और अशोक धवले शामिल होंगे।

टिकैत ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा की अगली बैठक 7 दिसंबर को दोबारा से सिंघु बॉर्डर पर 11 से 12 बजे होगी। सिंघु बॉर्डर पिछले वर्ष नवंबर से शुरू हुए किसान आंदोलन का अहम केंद्र रहा है। यह कमेटी सरकार से एमएसपी, मृतक किसानों को मुआवजा समेत सभी मामलों पर बातचीत करेगी। हालांकि, केंद्र सरकार ने अब आधिकारिक तौर पर तीनों विवाादस्पद कृषि कानूनों को वापस ले लिया है। किसान नेता दर्शन पाल सिंह ने कहा कि सभी किसान संगठनों के नेताओं ने कहा कि जब तक किसानों के खिलाफ मामले वापस नहीं लिए जाते वे वापस नहीं जाएंगे। गौरतलब है कि प्रदर्शनकारी किसान सरकार से एमएसपी गारंटी कानून की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह मांग पूरी हुए बिना किसान पीछे हटने वाले नहीं हैं।

प्रदर्शनकारियों में राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के किसान शामिल हैं। किसान नेताओं ने शुक्रवार को कहा था कि केंद्र को एमएसपी पर बनी कमेटी के लिए पांच नाम भेजने का निर्णय बैठक में किया जाएगा क्योंकि सरकार से उन्हें कोई औपचारिक संदेश प्राप्त नहीं हुआ है।

वरिष्ठ पत्रकार विनोद दुआ का हुआ निधन, लीवर में संक्रमण के कारण अस्पताल में थे भर्ती

नई दिल्ली (आरएनएस)। वरिष्ठ पत्रकार विनोद दुआ का आज अपोलो अस्पताल में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार , दुआ का अपराह्न करीब साढ़े चार बजे देहावसान हुआ। दुआ को लीवर में संक्रमण के कारण कुछ दिनों पूर्व परमानंद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, पिछले पांच दिनों से उनका अपोलो अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष में उपचार चल रहा था।

वह 67 वर्ष के थे, उनके परिवार में दो पुत्री हैं। दुआ की पत्नी का इसी वर्ष जून कोरोना संक्रमण के कारण निधन हो गया था। दुआ का अंतिम संस्कार कल दोपहर 12 बजे लोधी श्मशान गृह में किया जायेगा। विनोद दुआ की बेटी मल्लिका दुआ ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में पिता के निधन की पुष्टि की। मल्लिक ने अपने पोस्ट में लिखा कि मेरे पिता विनोद दुआ का निधन हो गया है, भगवान उनकी आत्मा को शांति दें। मल्लिका ने बताया कि विनोद दुआ का अंतिम संस्कार लोधी श्मशान घाट में कराया जाएगा।

सरकार ने अमेठी में पांच लाख एके-203 असॉल्ट राइफल के विनिर्माण की मंजूरी दी

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के अमेठी के कोरवा में पांच लाख से अधिक एके-203 असॉल्ट राइफल के विनिर्माण की योजना को मंजूरी दी है। आधिकारिक सूत्रों ने इसे रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का बड़ा प्रयास बताया है।

सूत्रों ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत का रक्षा विनिर्माण केंद्र बनने के मार्ग पर है। एक सूत्र ने कहा, यह रक्षा अधिग्रहण में खरीद (वैश्विक) से मेक इन इंडिया तक के सफर में लगातार होते बड़े परिवर्तन को दर्शाता है। यह प्रयास रूस के साथ साझेदारी में किया जाएगा और यह रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच गहरी होती साझेदारी को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि यह परियोजना विभिन्न सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और अन्य रक्षा उद्योगों को कच्चे माल तथा घटकों की आपूर्ति के लिए व्यावसायिक अवसर प्रदान करेगी, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

7.62 × 39एमएम कैलिबर एके-203 (असॉल्ट कालाशिनकोव-203) राइफल तीन दशक पहले शामिल सेवा में जारी इंसास राइफल की जगह लेंगी।

सूत्रों ने बताया कि एके-203 असॉल्ट राइफलें, 300 मीटर की प्रभावी रेंज के साथ, हल्की, मजबूत और प्रमाणित तकनीक के साथ आसानी से उपयोग में लाई जा सकने वाली आधुनिक असॉल्ट राइफल हैं। ये वर्तमान और परिकल्पित अभियान संबंधी चुनौतियों का पर्याप्त रूप से सामना करने के लिए सैनिकों की युद्ध क्षमता को बढ़ाएंगी।

अनुच्छेद 370 के प्रावधान निरस्त होने के बाद कश्मीर में शांति, हो रहा निवेश : शाह

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 के प्रावधान निरस्त होने के बाद से कश्मीर में शांति है, वहां व्यवसाय के लिए अच्छा निवेश हो रहा है और पर्यटक आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी से सफलतापूर्वक निपटने के लिए संसाधनों का उचित इस्तेमाल सुनिश्चित किया। यहां आयोजित 'एचटी लीडरशिप समिटज में अपने संबोधन में शाह ने कहा कि देश ने पाकिस्तान की ओर से किये जा रहे सीमा पार आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक के जरिये पाकिस्तान के घर में घुसकर मारा गया। शाह ने कहा कि किसी को विश्वास नहीं था कि अनुच्छेद 370 और 35 ए को हटाया जा सकता है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने 2019 में यह कर दिखाया। शाह ने कहा कि मैं कह सकता हूं कि अब कश्मीर में शांति है, निवेश हो रहा है और पर्यटक आ रहे हैं। धीरे-धीरे कश्मीर में हालत सामान्य हो रहे हैं और वह देश के साथ एक होकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक के जरिये यह स्पष्ट कर दिया कि भारतीय सीमा में घुसना इतना आसान नहीं है। शाह ने कहा कि अब तक इस काम को करने के लिए इस्त्राइल और अमेरिका का ही नाम लिया जाता था, लेकिन अब भारत भी उस सूची में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि हम सबके साथ शांति चाहते हैंज। हमारी सीमाओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हमने इस संदर्भ में एक स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि इसके कारण भारत को अब दुनियाभर में एक अलग तरह की स्वीकार्यता मिली है। कोविड-19 के बारे में हाल की चुनौतियों पर केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रभावी नीतियों के कारण महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था शीघ्र उबरने में कामयाब हुई है। शाह ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही है।

सेल्फी के चक्कर में ट्रेन की चपेट में आकर दो युवकों की मौत

रुद्रपुर (आरएनएस)। बीती देर रात अल्मोड़ा से रुद्रपुर आए दो युवकों की सेल्फी लेने के चक्कर में काठगोदाम-देहरादून एक्सप्रेस की चपेट में आकर मौत हो गई। युवक अपने दोस्त के साथ अल्मोड़ा से रुद्रपुर अपनी बहन के घर आया था। मृतक की बहन 31वीं वाहिनी पीएसी में तैनात है। पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। एडम्स स्कूल के समीप अल्मोड़ा के रहने वाले 35 वर्षीय लोकेश लोहनी अपने 25 वर्षीय दोस्त जल निगम कॉलोनी अल्मोड़ा निवासी मनीष कुमार आर्या के साथ शुक्रवार की सुबह स्कूटी ने रुद्रपुर के निकले थे। लोकेश की बहन 31 वीं वाहिनी पीएसी में महिला आरक्षी है और दोस्त के साथ लोकेश बहन के घर आया था। देर शाम दोनों दोपहर का खाना खाकर घूमने निकले थे। चश्मदीदों का कहना था कि शुक्रवार देर रात साढ़े नौ बजे के करीब शांति विहार कॉलोनी रेलवे ट्रैक पर दोनों दोस्त पटरी पर खड़े होकर मोबाइल से सेल्फी ले रहे थे कि अचानक काठगोदाम से देहरादून जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। ट्रेन की चपेट में आने से दोनों युवक छिटकर समीप के नाले में जा गिरे। दोनों की मौत हो गई। घटना के काफी देर बाद लोगों की नजर नाले पर पड़ी और सूचना पुलिस को दी।

पीएम मोदी ने दी उत्तराखंड को 18 हजार करोड़ की दी सौगात, देहरादून से खिंचा विकास का नक्शा

देहरादून (आरएनएस)। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत गढ़वाली भाषा में सभी को अभिनंदन करते हुए कहा कि उत्तराखंड का सभी दाणा सयानो, दीदी भूलियो, चची और भय बहणों, आप सभी छ मेरा प्रणाम। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस अभिनदंन से देहरादून की तमाम पहाड़ी जनता खासी हर्षित दिखाई दी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आप सभी इतनी बड़ी संख्या में मुझे आशीर्वाद देने आए हैं आपके स्नेह आपका आशीर्वाद यह आशीर्वाद का प्रसाद पाकर सभी अभिभूत हैं उनके अनुसार उत्तराखंड पूरे देश की आस्था ही नहीं बल्कि कर्म और कठोरता की भूमि है इसलिए इस क्षेत्र का विकास यहां को भव्य स्वरूप देना आप डबल इंजन की सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है बीते 5 वर्षों में उत्तराखंड के विकास के लिए केंद्र सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये से अधिक परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। यहां की सरकार इन्हें धरातल पर उतार रही है। इसी को आगे बढ़ाते हुए आज 18 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास, लोकार्पण किया गया है। बीते वर्षों की कड़ी मेहनत व अनेक प्रक्रिया से गुजरने के बाद ये दिन आया है। मैं केदारपुरी के बाद अब देहरादून से दोहरा रहा हूं। ये परियोजनाएं इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाएंगी। जो लोग पूछते हैं कि डबल इंजन की सरकार का क्या फायदा है, वह देख सकते हैं, कैसे ये सरकार विकास की गंगा बहा रही है।

पीएम ने विपक्षियों पर साधा निशाना कहा जो लोग कहते हैं कि डबल इंजन के सरकार का फायदा क्या है वह आज देख सकते हैं कि कैसे विकास की गंगा बहाई जा रही है दस साल में देश में जो घोटाले हुए, उसकी भरपाई के लिए हम दोगुनी रफ्तार से काम कर रहे हैं। आज भारत आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर दो लाख करोड़ से अधिक के निवेश के इरादे से आगे बढ़ रहा है। आज भारत की नीति दोगुनी तेजी से काम करने की है। 21वीं सदी के इस कालखंड में कनेक्टिविटी का एक ऐसा महायज्ञ चल रहा है जो भारत को विकसित देशों की संख्या में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। 2007 से 2014 के बीच केंद्र सरकार ने उत्तराखंड में 600 करोड़ रुपये के केवल 288 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया। जबकि हमारी सरकार ने अपने 7 वर्षों में उत्तराखंड में 12,000 करोड़ रुपये के 2,000 किलोमीटर से अधिक के राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है। कोरोनाकाल में उत्तराखंड में 50 से अधिक नए ऑक्सीजन प्लांट लगे हैं। आज प्रदेश में नए मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, आईआईएम, भावी पीढ़ी के भविष्य को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पांच साल पहले मैंने कहा था, जो कहा था, उसको याद करने की ताकत राजनेताओं में जरा कम होती है। मुझमें है। आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि उत्तराखंड का पाणी और जवानी उत्तराखंड के काम ही आली। एक समय पहाड़ पर रहने वाले लोग विकास की मुख्यधारा से जुडने का सपना ही देखते थे। हमें कब सड़क मिलेगी, बिजली मिलेगी, कब स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी, लेकिन जब कुछ करने का जुनून हो तो सूरत भी बदलती है और सीरत भी बदलती है। आज सरकार इस बात का इंतजार नहीं करती की लोग समस्या लेकर आएंगे। आज सरकार सीधे नागरिकों के पास जाती है। एक समय था कि उत्तराखंड में सवा लाख घरों में नल से जल पहुंचता था। आज सात लाख से ज्यादा घरों में जल पहुंच रहा है। पूर्व की सरकारों ने हर स्तर पर सेनाओं को निराश करने की कसम खाई हुई थी लेकिन हमारी सरकार दुनिया के किसी देश के दबाव में नहीं आती।